



Tejal Kadam

04 May 1996

Model: Numerology-Report

Order No: 121549601

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 121549601

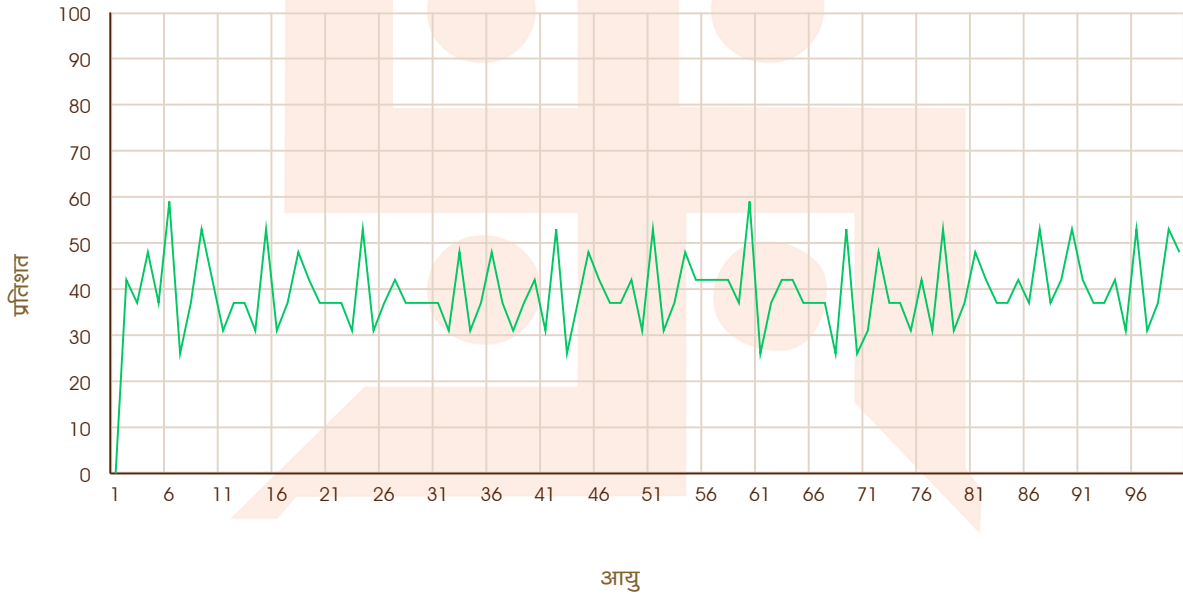
Date: 11/03/2026

नाम	Tejal Kadam
जन्म तिथि	04/05/1996
मूलांक	4
भाग्यांक	7
नामांक	8
मूलांक स्वामी	हर्षल/राहु
भाग्यांक स्वामी	नेप/केतु
नामांक स्वामी	शनि
मित्र अंक	1, 8, 7
शत्रु अंक	3, 5
सम अंक	2, 6, 9
मुख्य वर्ष	2011,2020,2029,2038,2047,2056,2065,2074
शुभ आयु	15,24,33,42,51,60,69,78
शुभ वार	रवि, सोम, शनि
शुभ मास	जन, अप्रै, अग
शुभ तारीख	4, 13, 22, 31
शुभ रत्न	गोमेद
शुभ उपरत्न	काला हकीक
अनुकूल देव	गणेश
शुभ धातु	सीसा
शुभ रंग	काला
मंत्र	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः
शुभ यंत्र	बुध यंत्र

9	4	11
10	8	6
5	12	7

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 2011,2020,2029,2038,2047,2056,2065,2074

शुभ आयु 15,24,33,42,51,60,69,78

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक चार होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक चार होता है। इसका स्वामी भारतीय मतानुसार राहू एवं पाश्चात्य मतानुसार हर्षल को माना गया है। मूलांक चार के प्रभाववश आप अपने जीवन में सहसा एवं आश्चर्यजनक प्रगति प्राप्त करेंगी। आपके जीवन में कई असंभावित घटनायें भी घटेंगी। एकाध घटनायें ऐसी भी घटित होंगी जो कि आपका कैरियर बदल देंगी। आप एक संघर्षशील महिला के रूप में जानी जायेंगी तथा आपकी विचार धारा भी आम धारणा से प्रायः अलग होगी। जमाने से आप काफी आगे की सोच रखेंगी तथा अपना विरोध प्रकट करने की आदत के कारण आप अपने आलोचक स्वयं तैयार करेंगी।

पुरानी प्रथाओं, रीतियों की विरोधी रहेंगी तथा उनमें सुधार करने की पूरी कोशिश करेंगी। आप अपने कार्यक्षेत्र में पुरानी प्रथाओं को नवीन रूप में ढालने की भी कोशिश करेंगी। अपने जीवन में आप धन संग्रह अधिक नहीं कर पायेंगी लेकिन नाम, यश अधिक प्राप्त करेंगी। समाज में आमूल-चूल परिवर्तन देखना आपका स्वभाव रहेगा। यदि आप अपनी संघर्ष करने की प्रवृत्ति पर अंकुश रखकर सहनशील तथा सहिष्णु बन सकें और शत्रुता कम पैदा करेंगी तो अपने जीवन में अधिक सफलता अर्जित करेंगी।

आपकी विचार धारा सुधार वाली होने से आप समाज में अच्छी ख्याति प्राप्त करेंगी। लेकिन यह ख्याति स्थिर नहीं रहेगी कभी तो उच्चता के शिखर पर होगी और कभी मन्द। अतः आपको निरन्तर कार्य में लगे रहना पड़ेगा और नये-नये परिवर्तन, अज्ञविष्कारों द्वारा अपना नाम रोशन करते रहना होगा। स्वास्थ्य आपका साधारणतः उत्तम रहेगा, लेकिन कभी-कभी अत्यधिक श्रम एवं मानसिक थकान के कारण सिरदर्द, गर्मी से उत्पन्न रोग, मानसिक तनाव आदि का सामना करना पड़ेगा।

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी-कठिनाई से होता है, अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकती हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचिपूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगी। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।

आपका मूलांक 4 है तथा भाग्यांक 7 है। मूलांक 4 का स्वामी हर्षल है तथा भाग्यांक 7 का स्वामी नेपच्यून है। मूलांक 4 एवं भाग्यांक 7 के बीच सम संबंध है। इसके प्रभाववश आपके अंदर उच्च कोटि की कल्पनाशक्ति रहेगी। विचारों का धारा प्रवाह मंथन होता रहेगा। रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में आपको काफी संघर्षों के बाद सफलताएं प्राप्त होंगी। आर्थिक

स्थिति आपकी ज्यादा अच्छी नहीं रहेगी। समय-समय पर आपको अर्थाभाव रहेगा। कभी-कभी तो आप अत्यधिक धन की कमी महसूस करेंगी, जिससे आपका मानसिक तनाव काफी बढ़ जाया करेगा। रोजगार-व्यापार का क्षेत्र आप रुकावटों और संघर्ष के साथ पार करेंगी। कभी-कभी धैर्य खो देना आपके लिए अहितकर साबित होगा। यदि आप अपने कार्यक्षेत्र में धैर्य के साथ सोच-समझ कर कोई भी कार्य करती हैं तो निश्चित ही आपको सफलता प्राप्त होगी। आपकी सामाजिक स्थिति मध्यम श्रेणी में उच्च कोटि की रहेगी। रोजगार के क्षेत्र में आप काफी यात्राएं करेंगी और कुछ यात्राओं से आपको अच्छे आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे। चली आ रही पद्धतियों में आप परिवर्तन करेंगी और उन परिवर्तनों से आपका कार्यक्षेत्र काफी प्रभावित होगा।

आपका भाग्योदय 25 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ हो कर 34 वर्ष की अवस्था पर विशेष उन्नति प्राप्त करेगा तथा 43 वर्ष की अवस्था पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 4 की मित्रता 1 एवं 8 से है तथा भाग्यांक 7 की मित्रता 2 एवं 6 से है। अतः आपके जीवन में 1, 2, 4, 6, 7, 8 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनमें आपके जीवन की कुछ घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में, आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगी, तो पाएंगी कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, फरवरी, अप्रैल, जून, जुलाई, अगस्त के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन-तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक के अंक से मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें। मूलांक 4 एवं भाग्यांक 7 के प्रभाववश ईस्वी सन्, जिनका योग 1, 2, 4, 6, 7, 8 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 1, 2, 4, 6, 7, 8 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

- 1 . 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73
- 2 . 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65, 74
- 4 . 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67
- 6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69

7 . 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70

8 . 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परितर्वर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपकी जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार साबित होंगी।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Tejal Kadam
4+5+1+1+3 2+1+4+1+4
नाम का योग : 26 नामांक : 8

आपके नाम का कुल योग छब्बीस बनता है। दो और छह के योग से आपका नामांक आठ होता है। नामांक आठ का स्वामी शनि है। अंक दो का स्वामी चन्द्र एवं छह का शुक्र है। अतः तीनों ग्रहों के गुण-अवगुण आपके जीवन को प्रभावित करेंगे। नामांक आठ का स्वामी शनि होने से आपकी उन्नति धीरे-धीरे होगी। रुकावटों को आप स्वयं की बुद्धि विवेक के द्वारा पार कर सफलता का मार्ग प्राप्त करेंगी। आलस्य आपमें अवगुण के समान रहेगा। आपको समाज में नाम, यश तथा कीर्ति प्राप्त होगी। आप दिखावा पसंद नहीं करेंगी। आपको कठोर महिला समझा जायेगा। लेकिन आप अन्दर से दयालु होंगी। आप कठिन से कठिन कार्य को भी अंजाम देने की क्षमता रखेंगी। आपके अन्दर कलात्मक भाव की वृद्धि शुक्र ग्रह के द्वारा होगी जो आपकी कार्य शैली में दृष्टिगोचर होगी।

आपके नाम का नामांक 8 है। इसके आपके मूलांक 4 से मित्र संबंध तथा भाग्यांक 7 से सम संबंध होने के कारण आपको अपने जीवन में मूलांक स्वामी के प्रभाव से पूर्ण सफलता प्राप्त होगी। अपनी मेहनत द्वारा आप सामाजिक क्षेत्र में अपनी लोकप्रियता स्थापित करने में सफल रहेंगी। अपने मित्रों, रिश्तेदारों में आप लोकप्रियता प्राप्त करेंगी। जिस क्षेत्र में आप कार्यरत रहेंगी वहाँ के अन्य सहयोगियों का आपको भरपूर सहयोग प्राप्त होगा एवं अपने विभाग में आप लोकप्रियता को प्राप्त करेंगी। आपके जीवन में आपका नाम काफी ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा तथा मान-सम्मान आपको समुचित मात्रा में प्राप्त होगा। भाग्यांक के साथ सम संबंध होने से भाग्य का सहारा आपको अधिक प्राप्त नहीं होगा। इस हेतु आप यदि अपने नाम में परिवर्तन के इच्छुक हों तो ऐसे नाम के अक्षरों का चुनाव करें जिसके अंक मूलांक एवं भाग्यांक दोनों से ही अच्छा तालमेल स्थापित कर सकें।

आपका नामांक आपके मूलांक 4 से मिलान करता है लेकिन भाग्यांक 7 से मिलान नहीं हो रहा है। जिसके प्रभाव से भाग्य के क्षेत्र में आपको थोड़ी-बहुत परेशानियाँ आ सकती हैं। आपको अपने नाम को भाग्यांक से भी मिलान करना हितकर रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव कर सकते हैं जिसका नामांक आपके मूलांक तथा भाग्यांक से मिलान करे एवं उसका नामांक 4 आता हो और 3 न हो तो ऐसा नाम आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा

तथा आपकी उन्नति में चार-चांद लगायेगा। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 2,6,8,7 अंक अच्छे रहेंगे तथा 5,9,1 अंक ठीक नहीं रहेंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटना:-	GANESHA 3+1+5+5+3+5+1=23=5	GANESH 3+1+5+5+3+5=22=4
एक अंक :-	RAM 2+1+4=7	RAMA 2+1+4+1=8
दो अंक :-	BINDRA 2+1+5+4+2+1=15=6	BRINDRA 2+2+1+5+4+2+1=17=8
तीन अंक :-	RAMCHAND 2+1+4+3+5+1+5+4=25=7	RAMCHANDRA 2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28
चार अंक :-	KRISHNA 2+2+1+3+5+5+1=19=1	KRESHNA 2+2+5+3+5+5+1=23=5
पाँच अंक :-	TEWARI 4+5+6+1+2+1=19=1	TIWARI 4+1+6+1+2+1=15=6
छः अंक :-	AGGARWAL 1+3+3+1+2+6+1+3=20=2	AGARWAL 1+3+1+2+6+1+3=17=8

लोशु फल

4 4 4	9 9 9	2 2
3 3	5 5	7 7
8 8	1 1	6 6

लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

अंक 1 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में अंक एक केवल एक ही बार उपस्थित है। अतः आप अपनी अंतस्थ भावनाओं को कठिनता से व्यक्त कर पाते हैं या अपने भीतर के विचार व्यक्त करने में असमर्थ होते हैं। अन्य क्षेत्रों में आपका आचरण भले ही अच्छा हो किन्तु अपने व्यक्तित्व के अंतस्थ भाग को प्रकट करते समय आप व्याकुलता का अनुभव करते हैं और मन की बात कहने में हिचकिचाते हैं। दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण को भी आप प्रायः ठीक प्रकार से समझने में कठिनाई महसूस करते हैं। आपके लिए दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण की प्रशंसा कर पाना भी थोड़ा मुश्किल होता है। विषाद एवं अकेलापन आपको आसानी से घेर लेता है। आप आंकड़ों एवं तथ्यों को इकट्ठा करने तथा संजोने में काफी ध्यान देते हैं, जिससे समय की बर्बादी होती है, तथा कार्य पूर्ण होने में अनावश्यक विलम्ब होता है। सतत विकाश एवं वृद्धि के लिए आपको शांत एवं

सौहार्दपूर्ण वातावरण की आवश्यकता होती है। आप नौकरी अथवा व्यवसाय में काफी हद तक सफल होते हैं, लेकिन व्यावहारिक रूप से दूसरों को न समझा पाने के कारण, या अपनी बातों को स्पष्ट न कर पाने के कारण कुछ असफलता का सामना भी करना पड़ता है।

अंक 2 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 2 का अंक अनुपस्थित है, अतः आप में अंतर्ज्ञान व सूक्ष्म चेतना का अभाव होता है, आप अपनी बात आत्मविश्वास से नहीं कह पाते। फलस्वरूप आप अपनी निश्चल व शांत अंतरात्मा की आवाज को न मानकर कई गलतियां करेंगे, आप अधीर और समय के पाबंद नहीं होते। ऐसे जातकों में अपनी गलती मान लेने की बजाय अपने कार्य को सही ठहराने की प्रवृत्ति होती है, आपमें संवेदनशीलता नहीं होती है, और दूसरों की मदद नहीं कर पाते हैं, आपमें पूर्वाभास अंतर्ज्ञान शक्ति की कमी रहती है। आप अपने दिमाग को किसी चीज पर केंद्रित नहीं कर पाते, कोई भी निर्णय जल्दी नहीं ले पाते, आप दूसरों की भावनाओं की कदर भी नहीं करते हैं। आप अपने मन की बात न सुनकर छोटी-छोटी गलतियां करते रहते हैं, आत्म विश्वासहीनता व दूसरों पर विश्वास की कमी जैसी विशिष्टताओं से पीड़ित रहते हैं, आपको अपने मन पर काबू रखना चाहिए। दूसरों की भावनाओं की कदर करनी चाहिए, और अपनी गलती माननी चाहिए। ऐसे जातकों को चाहिए कि जीवन में समता हासिल करना सीखें।

अंक 3 - अनुपस्थित

लोशु चार्ट में अंक तीन की अनुपस्थिति हो तो गुरु जनों व ईश्वर की कृपा कम प्राप्त होती है। आत्मविश्वास की कमी रहती है, विचलित होने पर आप तार्किक रूप से नहीं सोच पाते, जिसके कारण आप स्वयं को व्यक्त करने में कठिनाई का अनुभव करते हैं। आपमें स्वयं की योग्यता को कम करके आंकने व स्वयं को न जताने की प्रवृत्ति भी होती है। विपत्ति के समय आप उचित प्रकार से सोच नहीं पाते और अधिक मेहनत करने के बाद उद्देश्य की प्राप्ति होती है। अपनी कल्पनाओं के अंदर खोये रहते हैं, अक्षर दूसरों के साथ अच्छे सम्बन्ध नहीं बना पाते, आप अधि क दूर की नहीं सोच पाते, आपकी मानसिक क्षमता कमजोर होती है। जिस कारण आपको अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आपकी कल्पनाशक्ति और ज्ञान कम होता है। आपके पास दूरदर्शिता भी नहीं रहती, यह मानसिक, शारीरिक, और आर्थिक तंगी में हालत से लड़ नहीं पाते। आप जल्दी परेशान हो जाते हैं, आपकी अध्यात्म और ज्ञान के विषय में रुचि नहीं रहती। आपको आवश्यकता इस बात की है कि आप स्वयं को स्वीकार कर आगे बढ़ें और धीरे-धीरे आत्मविश्वास व आत्मसम्मान में बढ़ोतरी करें।

अंक 4 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में चार अंक दो बार उपस्थित है। अतः आप अनात्मवादी व पदार्थवादी उद्योगों में दूसरे क्रिया-कलापों की अपेक्षा अधिक रुचि लेते हो। अपने प्रबंधन चातुर्य के कारण आप जिस भी कार्य को प्रारम्भ करते हो, उसे पूर्ण करके ही छोड़ते हो भले ही वह कार्य कितना भी मुसकिल क्यों न हो। आप व्यवस्थित, शुद्धमति व यथार्थवादी हैं और आप में रचनात्मक क्षमता है। हस्तकौशल में प्रवीणता के चलते नयनाभिराम वस्तुएं बनाना पसंद करते हैं। आप बुद्धिपरक,

गणनात्मक, विश्लेषणात्मक, और वाणी प्रधान कार्यों में सफलता पाते हो। आपकी बौद्धिक क्षमता अच्छी होती है, जिससे कि आप अच्छे और बुरे में फ़र्क कर पाने में सफल होते हैं, आप अपने जीवन में अच्छे वक्ता, कवि और शिक्षक बनते हैं चित्रकला में निपुण होते हैं। आपको आलस्य से नफरत होती है, आपके काम पूर्ण रूप से व्यवस्थित एवं रचनात्मक होते हैं, आपको सौंपा गया कोई भी कार्य समय से पूरा होता है।

अंक 5 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में पांच अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप भावनात्मक रूप से संतुलित हैं। आप दयालु, दूसरों के प्रति संवेदनशील व सहज प्रकृति के स्वामी हैं, दूसरों को प्रेरणा व प्रोत्साहन प्रदान करने में सक्षम होने के कारण आप संभावित सफलता से भी कुछ अधिक ही प्राप्त कर लेते हैं। आप तेज बुद्धि एवं दिमाग तथा योग्यता के कारण किसी भी काम को सफलतापूर्वक करने में सक्षम हैं। आप सामान्यतः अच्छी जिंदगी जीते हैं, आपको हर वैसे काम में दिलचस्वी होती है, जिसमें नयापन हो, आप अनेक प्रकार के व्यवसायों से धन अर्जित करने वाले, कुशाग्र बुद्धि, गणित विषय में निपुण और आपकी गणना करने की शक्ति तीव्र होती है। आप सभी विषयों को तार्किक दृष्टि से देखते हैं। वाणिज्य और कारोबार में भी आप सफल होते हैं। आप अच्छे वक्ता, संवाद और संचार के क्षेत्र में अद्भुत सफलता प्राप्त करते हैं।

अंक 6 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में छः अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप अपने घर और सगे-सम्बन्धियों से बहुत स्नेह करते हैं। आप अपने पारिवारिक उत्तरदायित्व को निभाना पसंद करते हैं और घरेलू जिम्मेदारियों का आनंद लेते हैं। आप में रचनात्मक क्षमता है व आप अतिशय क्रियात्मक सामर्थ्य के स्वामी हैं। आप समाज में लोकप्रिय होते हैं, गंभीर से गंभीर रहस्य को भी आप सामने वाले के मन से निकलने में चतुर होते हैं। आप पूर्णतः सांसारिक और अपने लक्ष्य तक पहुँचने में सफल होते हैं। आप परिश्रमी सुव्यवस्थित व मर्यादित रहते हैं, आप एक ही आजीविका से संतुष्ट नहीं होते, आपकी दृष्टि में व्यापार प्रधान होता है, भले ही आप नौकरी करते हों, और आप इन कार्यों में सफल भी होते हैं, आप अच्छे माँ-बाप और अंततः ऐसे व्यक्ति सिद्ध होते हैं, जिनके पास परिवार का प्रत्येक सदस्य विपत्ति के समय परामर्श लेने आता है, परन्तु आपमें असुरक्षा की तीव्र भावना भी होती है, और आप नाहक ही वैधुर्य व एकाकीपन की चिंता में लीन रहते हैं।

अंक 7 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में सात अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप प्रेम, स्वास्थ्य अथवा संपत्ति खोकर जीवन का गूढ़ अनुभव प्राप्त करते हैं, कड़वे अनुभवों से सिखने के कारण आपका झुकाव अधिकाधिक आध्यात्मिक अथवा आत्म-ज्ञान की ओर हो जाता है। आप आंतरिक बातों को समझने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। आपके शरीर के निचले अंगों में चोट लगने अथवा रोग की प्रायः संभावना रहती है। आप किसी भी कार्य को स्वयं करने में समर्थ होते हैं। आप अव्यवहारिक, अत्यधिक कल्पना, और भयभीत रहते हो, जिस कारण आपको रोजमर्रा की

जिंदगी में अच्छी तरह से काम करना मुश्किल हो जाता है। कई बार आपकी अत्यधिक स्पष्टवादिता एवं अपनी पहचान का अहम कई बार आपको दूसरों का गुलाम बना देता है। आपकी स्मरणशक्ति कमजोर होती है, इस कारण आप दैनिक जीवन के कार्यों में कठिनता का अनुभव करते हैं।

अंक 8 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 8 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप अपने वित्तीय प्रबंधन में कुशल नहीं होते, आप या तो बिलकुल ही लापरवाह होते हैं, अथवा दूसरों के प्रति ज्यादा विश्वस्त होते हैं। फलस्वरूप रुपये-पैसे के मामलों में कष्ट प्राप्त करते हैं, आपमें निर्णय शक्ति की कमी व भौतिक साधनों का अभाव रहता है। लक्ष्य-निर्धारण की भी कमी होती है, और कार्य को हाथ में लेकर अधूरा छोड़ने की प्रवृत्ति भी, आपको प्राकृतिक जल्दबाजी को नियंत्रण करने, और अभिनय से पहले सोचने के लिए सिखने की जरूरत है। आप अनुशासित नहीं होते हैं, आप अपने पैसों का हिसाब नहीं रख पाते, जैसे कितना कमाया, कितना लगा और क्या बचा है। आप अधिक मेहनत करने में विश्वास नहीं रखते, आपकी अत्यधिक महत्वाकांक्षा एवं भौतिकवादी सोच आपके लिए तनाव एवं अवसाद का कारण बनती है। आपमें जल्दी स्थिरता नहीं आती, और जीवन में जल्दी से पैसा कमाना चाहते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि आप अपनी इस स्वेच्छा की प्रवृत्ति का त्याग करें, और कुछ करने से पूर्व विचार करने की आदत का विकास करें।

अंक 9 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में नौ अंक दो बार उपस्थित है। अतः आप आदर्शवादी, बुद्धिमान परन्तु कभी कभी दूसरों के लिए समस्याजनक होते हैं लेकिन आप अत्यधिक बुद्धिमान होते हैं। अतएव कभी कभी ऐसे लोगों को हेय दृष्टि से देखते हैं जो उन जैसे बुद्धिमान नहीं हैं। आप खास तौर पर उन कार्यों में सफल होते हैं, जहाँ कल्पनाशीलता, कलात्मकता, एवं रचनात्मकता की आवश्यकता होती है। कभी कभी बिना किसी उद्देश्य एवं स्वार्थ के काम करने वाले, यह लोग मानवता की सच्ची सेवा करने वाले होते हैं। आपको अच्छे अवसर प्राप्त होते हैं तथा दूसरों की सहायता आपको प्राकृतिक रूप से मिलती रहती है। जिससे आपका जीवन तो सफल होता ही है, साथ ही यह दूसरों के लिए भी काफी उपयोगी होता है, प्रायः आप घर के बड़ों के प्रभाव में होते हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि आप समाज के सब स्तरों के लोगों से सामान्य मेल-जोल रखें।

संकल्प-शक्ति के अंक - 1. 5 व 9

यह योग इच्छा शक्ति को दर्शाता है, आपके लोशु चार्ट में 1. 5 व 9 अंकों की उपस्थिति है। अतः आपमें अत्यधिक इच्छा शक्ति है। दुराग्रही, अध्यवसायी व इरादे के पक्के हैं, और बहसवाजी में अधिक निपुण हैं। जीवन में कैसे भी हालत रहें आप हार नहीं मानते, आप में हालातों से लड़ने की क्षमता होती है। जिस कारण जीवन में आप ऊंचाइयों को छूते हैं, विभिन्न विषयों पर आप ठोस विचार रखते हैं। यह अंक सफलता का प्रतीक माना जाता है, क्योंकि जब तक आप निधिरित लक्ष्य तक नहीं पहुँच जाते, दृढ़ता से अपने कार्य में लगे रहते हैं। कभी कठिन समय आ जाये, और इनके पास कुछ भी न हो और अगर आप इनसे पूछें कि आप कैसे हो तो हमेशा यही

जवाब देंगे कि बहुत बढ़िया, यह करोड़ों रुपये भी कमा लें तो इनके पाँव जमीन पर ही रहते हैं। ऐसे व्यक्तियों को मानसिक रूप से हराया नहीं जा सकता, इन्हें जीवन में अच्छी सफलता मिलती है। इनके चेहरे पर तेज होता है, इनकी अच्छी सूझ-बुझ होती है, और बात करने का ढंग भी बढ़िया होता है, दिमागी शक्ति भी अच्छी होती है।

भावनात्मक संतुलन के अंक - 4, 5 व 6

आपके लोशु चार्ट में 4, 5 व 6 अंकों की उपस्थिति है, अतः आप करुणाशील व चौकस प्रवृत्ति के होते हैं। आप प्रायः ऐसी आजीविका अपनाते हैं, जिसमें आप दूसरों की सहायता कर सकें, आप संवेदनशील होते हैं और प्रायः अंतर्ज्ञानि भी, आप दूसरों की आवश्यकता को समझने की दैवी-शक्ति के स्वामी हैं। अपनी किशोरावस्था में आप शर्मिले प्रतीत होते हैं, बाल्यकाल में भी शांत, भद्र व मृदुता से व्यवहार करने वाले होते हैं। अपने प्रभावी स्वभाव और अच्छे संचार कौशल की वजह से किसी भी स्थिति को संभालने में सफल रहते हैं। आप किसी भी उत्पन्न होने वाली स्थिति को अपने सुनने की क्षमता से दूर कर सकते हैं। आप किसी भी स्थिति में संतुलित, न्यायपूर्ण और निष्पक्ष रहते हुए गहराई से सोचने के बाद ही फैसला लेते हैं। और जीवन में विशेष सफलता प्राप्त करते हैं। यह परम योग है, अदभुत योग है, ऐसे योग में व्यक्ति रंक से राजा बन जाता है। आप भले ही किसी भी क्षेत्र में जाएँ सफलता अवश्य मिलती है।

जल तत्त्व - अंक 1

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की उपस्थिति है। जल बुद्धि और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है, जल लचीला है फिर भी मजबूत है, अभी भी बह रहा है। 1, अंक सूर्य से सम्बंधित है, जल शांत है फिर भी खतरनाक है। जल के लिए सतह केवल शुरुआत है, इसकी गहराई में छिपे वास्तविक चाल के साथ, जल तत्त्व वाले वे नहीं हैं, हालांकि आप अपनी खुद की कंपनी और आंतरिक प्रतिबिम्ब के लिए समय का आनंद लेते हैं। आप अक्षर शांत और शांति पूर्ण होते हैं, लेकिन दूसरों को अभिभूत करने की एक बड़ी क्षमता होती है, आप निडर, साहसी व स्वाभिमानि भी होते हैं। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं।

खूबियां- आप राजनैतिक कार्यों में कुशल, परिवार, समाज, राष्ट्र आदि सभी का नेतृत्व करने की आपें क्षमता होती है। तेज़ नज़र, सहानुभूति और अच्छे मध्यस्थ, दृढ़, सहज और लचीला, कोमल लेकिन मजबूत, और आप दूरदर्शिता के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां - स्व कृपालु, बहुत निष्क्रिय, दूसरों पर बहुत ज्यादा भरोसा करना, दुविधा में पड़े रहना, चिंतित रहना आदि अवगुण होते हैं।

पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है

कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति धनाढ्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, जिद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

काष्ठ तत्त्व - अंक 3, 4

आपके लोशु चार्ट में काष्ठ तत्त्व की उपस्थिति है। काष्ठ उदार और विशाल होती है और दूसरों की गहराई से देखभाल करती है। बांस के साथ, काष्ठमजबूत होती है। फिर भी लचीली होती है और एक प्राकृतिक जन्म से नेता भी है। इसकी जड़ें पृथ्वी में गहरी खुदाई करती हैं, हालांकि, काष्ठ को जीवित रहने के लिए नमी की भी आवश्यकता होती है। काष्ठ की विशेषताएं अक्सर कामुकता और धैर्य से जुड़ी होती हैं। हालांकि, इसे संतुलित करने के लिए, काष्ठ घुसपैठ और आक्रामक भी हो सकता है। 3, अंक गुरु से और 4 अंक राहु से सम्बंधित है। ऐसे व्यक्ति लगातार विस्तार और आगे बढ़ने की तलाश में होते हैं। जटिल से जटिल कार्य को करने में सक्षम होते हैं। अपने काम को आसानी से निकाल लेते हैं।

खूबियां- यह काफी चतुर होते हैं, इनमें अच्छी समझ, गर्म, मिलनसार, दयालु, लचीला और अनुकूलनीय, स्थिर और व्यावहारिक, उदार होते हैं।

कमजोरियां - सीमाओं या सीमाओं की अच्छी समझ नहीं है, बहुत ज्यादा निष्क्रिय हो जाते हैं, दूसरों पर बहुत अधिक भरोसा कर लेते हैं।

धातु तत्त्व - अंक 6, 7

आपके लोशु चार्ट में अंक 6, 7 धातु तत्त्व की उपस्थिति है। धातु खानों में पाया जाने वाला हीरा है, यह जीवन की सांस है, 6, 7 धातु तत्त्व से सम्बंधित लोग स्वयं का सम्मान करते हैं, और दूसरों का भी सम्मान करते हैं, 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। इस तत्त्व से प्रभावित लोग मजबूत और कठोर होते हैं, लेकिन दबाव डालने पर यह अनुकूल और बदल जाते हैं। धातु को अक्षर बिना पका हुआ, कठोर और निर्धारित किया जाता है। इस तत्त्व वाले लोग न्यूनतम होते हैं, संगठित और स्वच्छ जीवन की सादगी का आनंद लेते हैं, हालांकि नकारात्मक पक्ष पर धातु भी शक्तिशाली और नियंत्रित हो सकती है, ये धातु पदार्थ है। वास्तव में आपके जीवन में जटिल या अनावश्यक भावना की आवश्यकता होती है।

खूबियां- आप साहसिक, महत्वकांक्षी, स्वतंत्र विचारधारा, निर्धारित लक्ष्य पर चलने वाले,

अनुशासित, केंद्रित, उच्च नैतिकता और उच्च मानक के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां- संचार कौशल में कमी, जिद्दी, कभी-कभी अनुचित आंकना, क्रूर, निर्दयी, आसानी से संबंधों में कटौती, अतिसंवेदनशील, आदि अवगुण होते हैं।

अग्नि तत्त्व - अंक 9

आपके लोशु चार्ट में अग्नि तत्त्व की उपस्थिति है। आग हमेशा ऊपर की ओर निर्देशित होती है और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती है। यह लगातार और मजबूत है, हालांकि, यह फैलता भी है और आसानी से भटकता भी है। तत्त्व के रूप में आग के साथ रोमांचकारी साधक होते हैं, जो एक साहसिक क्षण से अगले तक घूमते हैं। आग अक्सर गर्मी, जुनून और बनाने की आवश्यकता से जुड़ी होती है। हालांकि, रिवर्स साइड पर, यह आक्रामकता, अधीरता और विनाश से भी संबंधित हो सकती है। जबकि आग गर्मी और गर्मी प्रदान कर सकती है, यह जल भी सकती है। आग अपने आप नहीं हो सकती। हालांकि यह उज्ज्वल और रोमांचक है। इसे संपन्न करने के लिए लकड़ी की स्थिरता की आवश्यकता है। 9 अंक मंगल से सम्बंधित है, इनका शरीर सुगठित, इनकी इच्छा शक्ति स्ट्रॉंग होती है, ये बहादुर, साहसी और पूरी शक्ति के साथ कार्य करने वाले होते हैं, इनमें निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है।

खूबियां- आप भावुक और उत्साही, रचनात्मक, अनुशीलन और कश्मिर्माई, सहज और साहसी, हमेशा चुनौती को स्वीकार करने वाले, गर्मजोशी और दृढ़ संकल्प शक्ति वाले होते हैं।

कमजोरियां - ध्यान की लालसा, रोगी, जोड़ तोड़ करने वाले, झगड़ालू प्रवृत्ति के, मिजाज के अनुकूल, आक्रामक, आवेगी और अस्थिर, अकेले रहने वाले होते हैं।

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

हर्षल आपके लिए दिनांक 21 जून से 31 अगस्त तक, पाश्चात्य मतानुसार, सूर्य के कर्क एवं सिंह राशि में रहने पर तथा भारतीय मत से 16 जुलाई से 16 सितंबर तक कर्क एवं सिंह राशि में सूर्य के रहने पर हर्षल की स्थिति प्रबल मानी गयी है। इस समय जल एवं अग्नि तत्व प्रबल रहते हैं, जो हर्षल या राहु के गुण हैं। अतः उपर्युक्त समय मूलांक 4 के लिये कोई भी नया या महत्वपूर्ण कार्य करने हेतु अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

किसी भी माह के रविवार, सोमवार, शनिवार आपके लिए शुभ रहेंगे। यदि आप अपना कोई भी कार्य इन दिवसों में तथा अनुकूल तारीखों में प्रारंभ करें तो आपके लिए शुभ रहेगा।

शुभ तारीखें

आपको अपने किसी विशिष्ट व्यक्ति से, उच्च अधिकारी से मिलने जाना हो या पत्र इत्यादि लिखना हो अथवा कोई महत्वपूर्ण कार्य-व्यापार आदि प्रारंभ करना हो तो किसी अंग्रेजी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीखों का चुनाव करना कार्य में सफलतादायक रहेगा।

अशुभ तारीखें

किसी भी अंग्रेजी माह की 3, 5, 12, 14, 21, 23 एवं 30 दिनांक आपके लिए अशुभ फलदायी रहेंगे। अतः कोई भी रोजगार-व्यापार संबंधी या अन्य कार्य या उच्चाधिकारी या किसी विशिष्ट अधिकारी से संबंध बनाने हेतु उपर्युक्त दिनांक आपके लिए ठीक नहीं रहेंगे।

मित्रता या साझेदारी

आप अपनी मित्रता ऐसे लोगों से करें जिनका जन्म 1, 4, 8, 10, 13, 17, 19, 22, 26, 28 एवं 31 तारीखों को अथवा 16 जुलाई से 16 सितंबर के मध्य हुआ हो। इन तारीखों को जन्मे लोग आपके लिए शुभ रहेंगे। ऐसे व्यक्तियों से आपकी लंबी मित्रता रहेगी तथा ये आपके रोजगार-व्यवसाय में सहायक सिद्ध होंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

मूलांक 1, 4, या 8 प्रभावी पुरुष आपकी अच्छे साथी सिद्ध हो सकते हैं। उपर्युक्त मूलांक वाले पुरुषों से आप सहज ही प्रेम संबंध स्थापित कर सकती हैं तथा उसमें सफल भी हो सकती हैं। जिनका जन्म किसी भी माह की 1, 4, 8, 10, 13, 17, 22, 26, 28 एवं 31 तारीखों को हुआ हो तो वे सभी पुरुष सहायक एवं लाभपूर्ण रहेंगे।

अनुकूल रंग

यदि आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता तो आपको चाहिए कि आप नीला, धूप-छांव, भूरा मिश्रित रंग के कपड़े पहनें और हो सके तो इस रंग का रुमाल हर समय अपने पास रखें। यह रंग आपके लिए अनुकूल रहेगा। हो सके तो अपने घर की दीवारों तथा पर्दों का चयन भी इन्हीं रंगों का करें। यह रंग आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपको चाहिए कि यदि आप भवन, कॉम्पलेक्स का चुनाव करते समय दिशा का चुनाव करें तो आपके लिए नैर्ऋत्य कोण दिशा अच्छी रहेगी। आपका शयन कक्ष नैर्ऋत्य दिशा में होने से रोजगार-व्यापार शुभ रहेगा तथा फर्नीचर आदि का रंग नीला, धूप छांव, भूरा मिश्रित रंग रखेंगे तो आपके लिए अधिक हितकर रहेगा।

शुभ वाहन नं

आपका मूलांक 4 है। मूलांक 4 के मित्र अंक 1, 8 हैं। ये अंक आपके लिए सफलता के द्योतक हैं। यदि वाहन इत्यादि खरीदती हैं तो उसका पंजीकरण क्रमांक 1,4,8 अंकों में से रखें। उदाहरणार्थ वाहन क्रमांक 5233 =4 इत्यादि। आपकी यात्रा का वाहन नंबर यही होने से आपकी यात्रा सफल रहेगी। अगर आप होटल में कमरा आदि बुक करवाती हैं तो उसका नंबर 103 = 4 लेना चाहिए।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आती है तभी आपको रक्तचाप दोष या जुकाम, छूत के रोग शीघ्र हो जाते हैं। रोग होने पर, अशुभ समय आने पर, कष्ट और विपत्ति के समय आप गणेश चतुर्थी का व्रत करें तथा गजानन गणपति की उपासना करें।

व्यवसाय

दारु, स्पिरिट, तेल, मिट्टी का तेल, अर्क, इत्र, रेल विभाग, वायुसेना, जलदाय विभाग, कुलीगिरी, तकनीशियन, रंगसाज, अभियांत्रिकी, नक्शानवीस, दर्जी, बढ़ई का कार्य, डिजाइन के छापे का कार्य, बाबू, टेलीफोन ऑपरेटर, स्टेनो, टाइपिस्ट, शिल्पकार, पत्रकार, संग्रहकर्ता, विद्युत कार्य, वक्ता, उपदेशक, राज्य कर्मचारी, खनिज मजदूर, ठेकेदार, मोटर चालक आदि।

व्रतोपवास

शनिवार को हर्षल अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। शनिवार को काले, नीले वस्त्र धारण कर इक्कावन या उन्नीस शनिवारों को व्रत करें। शरीर में तेल मालिश, तैल दान तथा पीपल के वृक्ष की पूजा करें। शनि मंत्र का यथाशक्ति रुद्राक्ष माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

चांदी की अंगूठी में आप सात से ग्यारह रत्ती का गोमेद बनवा कर शनिवार के दिन धारण करें। गोमेद के न मिलने पर आप कत्थई या काला-लाल हकीक भी पहन सकते हैं। इसे आप शुक्ल पक्ष में शनिवार के दिन, दायें हाथ की मध्यमा उंगली में, त्वचा को स्पर्श करता हुआ धारण करें।

अनुकूल देवता

आप राहु ग्रह की उपासना करें अथवा गणेश भगवान की आराधना करें। भगवान गणेश के अठ्ठाईशाक्षरी मंत्र 'ओम् श्रीं ह्रीं क्लीं ग्लौं गं गणपतये वर वरद सर्व जनं मे वशमानय स्वाहा' का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा चतुर्थी के दिन व्रत करें एवं भगवान गणेश को मोदक भोग लगाएं। इस क्रिया को करने पर आप विभिन्न रोगों तथा समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि ऐसा संभव न हो सके तो भगवान गणेश के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके राहु के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु राहु के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

राहु गायत्री मंत्र - ॐ शिरोरूपाय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो राहुः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप राहु का ध्यान करें, मन में राहु की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें :

अर्धकायं महावीर्यं चंद्रादित्यविमर्दनम् ।
सिंहिकागर्भसंभूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ राहु को अनुकूल बनाने हेतु राहु के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ अस्सी माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ भ्रौं भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः ॥ जप संख्या 18000 ॥

वनस्पति धारण

आप शनिवार के दिन एक इंच लंबी सफेद चंदन की जड़ ला कर, नीले धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या त्रिधातु या लोहे के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे हर्षल/राहु के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक शनिवार को एक बाल्टी या बर्तन में नागबेल, लोबान, तिल के पत्र, बचा, गडूची और तगर आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ राहु/हर्षल के प्रभाव क्षीण होकर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूट, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध इन सबको मिला कर, चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए, स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

राहु की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को राहु के पदार्थ-अभ्रक, लौह, तिल, नीला वस्त्र, छाग, ताम्र पात्र, सप्त धान्य, उड़द, गोमेद, काले पुष्प, तेल, कंबल, घोड़ा, रबड़ आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

राहु को अनुकूल बनाए रखने हेतु राहु यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, शनिवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।